कैंसर से लड़ते हुए जया ने पूरा किया आइआइएम से एमबीए का सपना

रायपुर ● यह कहानी है भिलाई की जया गुप्ता की। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की, लेकिन एक सपना था कि एमबीए करने का। इस बीच जया की शादी हो गई। गृहस्थी में रम गईं, लेकिन एमबीए का ख्वाब दिल की धड़कन के साथ धड़कता रहता था। शादी के 17 साल बाद कैट का एग्जाम दिया और 2015 में आइआइएम रायपुर में दाखिला लिया। शायद वक्त को कुछ और मंजूर था। इसी बीच जया को पता चला कि उसे ब्रेस्ट कैंसर है। यह पता चलते ही मानो पैरों तले जमीन खिसक गई। तरह-तरह के ख्याल आने लगे। पढ़ाई छोड़नी पड़ी। इलाज के लिए मुंबई जाना पड़ा। लेकिन जज्बे के आगे भला किसकी चली है। अगले साल आइआइएम मैनेजमेंट से बात कर रीज्वाइन किया और अपने ड्रीम को हासिल करके ही दम लिया।

उम्मीद नहीं पूरा यकीन था

जया कहती हैं कि मुझे उम्मीद ही नहीं पूरा यकीन था अपने गोल को अचीव करने का। मैंने पल-पल इस ख्वाब को जीया है। मेरी खुशी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मैं भूल जाती हूं कि मुझे ब्रेस्ट कैंसर है। सपनों का पूरा होना एक अलहदा सुकून देता है।

परिवार और मैनेजमेंट का मिला सपोर्ट

जया ने बताया कि बीमारी के दौरान परिवार और आइआइएम मैनेजमेंट का बहुत सपोर्ट रहा। मुंबई के ब्रीचकैंडी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान कीमो थैरेपी भी हुई। पढ़ाई के दौरान बीच-बीच में तबीयत खराब हो जाया करती थी। हर तीन महीने में चेकअप के लिए मुंबई जाना पड़ता था। अभी एक ऑपरेशन हुआ है और दो महीने बाद एक और ऑपरेशन होना है। जबकि इलाज अभी पांच साल चलेगा। दीक्षांत समारोह में शामिल होने सीधे मुंबई से आई हूं।

रक्षा मंत्री व सीएम होंगे शामिल

मंगलवार का दिन आइआइएम के लिए खास होगा। इसका अंदाजा सोमवार को हुए सातवें दीक्षांत समारोह के रिहर्सल से लगाया जा सकता है। खास बात ये है कि मंगलवार को आयोजित समारोह दोपहर 1.45 बजे शुरू होगा। 24 मिनट में 214 स्टूडेंट्स को डिग्री रक्षामंत्री निर्मला सीतारमण के हाथों डिग्री बांटी जाएंगी। इसमें पीजीपी 2016-18 बैच के 147, पीजीपी 2015-16 के 49, एक्सक्लुसिव 10 और फेला प्रोग्राम मैनेजमेंट के 8 स्टूडेंट्स शामिल हैं।

ये हैं ट्वींस, दो साल तक सबको किया कन्फ्यूज

दीक्षांत समारोह में डिग्री लेने पहुंची ट्वींस बहनें वर्शिता और वर्णिता भी आकर्षण का केंद्र रहीं। एक ही संस्थान में दाखिले के सवाल पर वे खिलखिला उठीं और कहने लगी हम दोनों चाहती तो थीं कि एक ही जगह एंट्री मिले लेकिन श्योर नहीं थी। जब पता चला तो जिंदगी का यादगार मोमेंट बन गया। हम दोनों ने स्कूली पढ़ाई भी साथ-साथ की है और हमारे परसेंटेज भी लगभग बराबर ही रहा करते थे। उन्होंने बताया कि हमने यहां दो साल स्पेंड किया है इस दौरान लोगों को काफी

कन्फ्यूजन होता रहा। हम दोनों ने इसे खूब एंजाय भी किया है। वर्णिता का प्लेसमेंट कॉग्नीजेंट और वर्शिता का विप्रो में हो चुका है।

Patrika 10th April 2018, P.03